DAINIK JAGRAN, Lucknow, 7.2.2018
Page No. 21, Size:(12.71)cms X (11.64)cms.

आधार ने लापता बेटे को 13 साल बाद मिलाया

जागरण संवाददाता, हल्द्वानी : कुमाऊं के चंपावत के गांव की वृद्धा लक्ष्मी देवी की आंखों में नियति ने फिर 'रोशनी' भर दी है। आखिरकार 13 साल बाद उसे अपना खोया लाल मिल गया। इस रोशनी का आधार बना डाक से आया वह आधार कार्ड जिसने दशक भर से डूब रही लक्ष्मी की उम्मीदों को सहारा दिया।

चौड़ापिता गांव की लक्ष्मी के दो बेटे हैं। बड़ा बेटा प्रेम सिंह बोरा चाचा प्रताप सिंह के घर चम्पावत रहकर पढ़ाई कर रहा था। 2005 में 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद प्रेम घर से लापता हो गया। परिजनों ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस और परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन कुछ पता नहीं चला।

आखिरकार दिसंबर 2017 में अचानक लक्ष्मी देवी के घर डाक से एक आधार कार्ड पहुंचा। आधार कार्ड पर प्रेम सिंह की फोटो और नाम था। इससे लक्ष्मी की बूढ़ी आंखों में फिर उम्मीद की किरण जग गई, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण बेटे को तलाशने के लिए उसे जरिया नहीं मिल रहा था। इस पर इसी गांव के शिक्षक सुरेंद्र सिंह बोरा आगे आए। उन्होंने दैनिक

- 2005 में इंटर पास करने के बाद लापता हो गया था युवक
- जयपुर में मिला लापता युवक, परिजनों के साथ लौट रहा

जागरण से मदद मांगी। दैनिक जागरण ने 24 जनवरी को खबर का प्रकाशन किया और चम्पावत के पुलिस अधीक्षक धीरेंद्र गुंज्याल से प्रेम को तलाशने की गुजारिश भी की। एसपी के निर्देश पर पुलिस ने आधार कार्ड में दर्ज नंबर की सर्विलांस सेल की मदद से जांच शुरू कर दी।

मंगलवार सुबह एसपी चम्पावत धीरेंद्र गुज्याल ने बताया कि प्रेम सिंह को जयपुर में तलाश लिया गया है। पुलिस और परिजनों के साथ प्रेम सिंह को चम्पावत लाया जा रहा है। बुधवार सुबह तक उनके चम्पावत पहुंचने की उम्मीद है।

प्लास्टिक आधार कार्ड के प्रयोग पर चेताया

नई दिल्ली, प्रेट्र : यदि आपने आधार कार्ड का लेमिनेशन करा रखा है या फिर प्लास्टिक स्मार्ट कार्ड के तौर पर उसका इस्तेमाल करते हैं तो सावधान रहें। ऐसा करने पर आपके आधार का क्यूआर कोड काम करना बंद हो सकता है या निजी जानकारी चोरी हो सकती है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआइडीएआइ) ने इसके इस्तेमाल को लेकर नागरिकों को चेताया है। यूआइडीएआइ की ओर से जारी बयान के अनुसार, आधार को कोई हिस्सा, डाउनलोड किया गया या मोबाइल आधार पूरी तरह से मान्य है। आधार स्मार्ट कार्ड की प्रिंटिंग पर 50 से 300 रुपये तक का खर्च आता है, जो बिल्कुल अनावश्यक है। प्लास्टिक या पीवीसी आधार स्मार्ट कार्ड अक्सर गैर-जरूरी होते है। इसकी वजह यह है कि गैर-अधिकृत प्रिंटिंग से क्विक रेस्पांस (क्यूआर) कोड आमतौर पर काम करना बंद कर देते हैं।